अध्याय - 11| नौबतखाने में इबादत- यतींद्र मिश्र

QUIZ-01

1. **'नौबतखाने में इबादत' पाठ के लेखक कौन हैं?**
   A. स्वयं प्रकाश B. मन्नू भंडारी
   C. यशपाल D. यतींद्र मिश्र (D)

व्याख्या : यह पाठ यतींद्र मिश्र द्वारा लिखा गया है, जिसमें उन्होंने उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ के जीवन और संगीत साधना का चित्रण किया है।

2. **बिस्मिल्ला खाँ को किस बात का पक्का यकीन था?**
   A. वे भारत रत्न प्राप्त कर लेंगे
   B. ईश्वर उन्हें सच्चा सुर प्रदान करेगा
   C. वे हिन्दू-मुस्लिम को एक करने में सफल होंगे
   D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : बिस्मिल्ला खाँ को न सिर्फ अपने संगीत पर बल्कि ईश्वर और समाज की एकता पर भी गहरा विश्वास था, जो पाठ में स्पष्ट झलकता है।

3. **बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई में क्या समाया हुआ था?**
   A. संगीत के सातों सुर
   B. उनके उस्ताद की नसीहतें
   C. स्वयं परवरदिगार
   D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : उनकी शहनाई में संगीत, गुरु की सीख और आध्यात्मिकता का समन्वय था, जो उनकी साधना को विशेष बनाता है।

4. **शहनाई की तुलना किससे की गई है?**
   A. परंपरागत वाद्य यंत्रों से
   B. दक्षिण भारत के मंगल वाद्य यंत्र से
   C. उत्तर भारत के मधुर वाद्य यंत्र से
   D. सुरविहीन वाद्य यंत्रों से (B)

व्याख्या : पाठ में शहनाई की तुलना दक्षिण भारत के मंगल वाद्य यंत्रों से की गई है, जो शुभ अवसरों पर बजाए जाते हैं।

5. **लेखक ने किनको एक-दूसरे का पूरक माना है?**
   A. बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ
   B. मुहर्रम ताजिया और होली-अबीर
   C. गंगा-जमुनी संस्कृति
   D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : पाठ में इन सभी को एक-दूसरे का पूरक बताया गया है, जो सांस्कृतिक एकता और धार्मिक सौहार्द का प्रतीक है।

6. **काशी की सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने में किसने विशेष योगदान दिया?**
   A. हिन्दू धर्म ने
   B. काशी के विशिष्ट लोगों ने
   C. बिस्मिल्ला खाँ ने
   D. मुस्लिम धर्म ने (C)

व्याख्या : बिस्मिल्ला खाँ ने अपनी संगीत साधना के माध्यम से काशी की सांस्कृतिक विरासत को जीवित और समृद्ध बनाए रखा।

7. **काशी विश्वनाथ के प्रति बिस्मिल्ला खाँ अपनी श्रद्धा किस प्रकार दर्शाते हैं?**
   A. वे काशी की ओर मुँह करके बैठते हैं
   B. वे अपनी शहनाई का प्याला काशी की ओर घुमा देते हैं
   C. (A) और (B) दोनों
   D. इनमें कोई नहीं (C)

व्याख्या : वे अपने मन, तन और वाद्य के माध्यम से काशी और बाबा विश्वनाथ के प्रति श्रद्धा प्रकट करते थे।

8. **मुहर्रम के दिन किस-किस चीज का निषेध माना गया?**
   A. राग-रागनियों की अदायगी का
   B. दुःख मनाने का
   C. दान-दक्षिणा देने का
   D. रोने का (A)

व्याख्या : पाठ में बताया गया है कि मुहर्रम के दिन राग-रागनियों को बजाना निषेध माना जाता था, क्योंकि वह शोक का अवसर होता है।

9. **मुहर्रम के अवसर पर बिस्मिल्ला खाँ का कैसा रुप सामने आता है?**
   A. सहज मानवीय रुप
   B. धर्म के प्रति समर्पित रुप
   C. (A) और (B) दोनों
   D. इनमें कोई नहीं (C)

व्याख्या : बिस्मिल्ला खाँ मुहर्रम के अवसर पर अपनी मानवीय संवेदनाओं और धार्मिक श्रद्धा दोनों को व्यक्त करते हैं।

10. **निम्न में से कौन-सी कमी बिस्मिल्ला खाँ को खलती है?**
    A. मलाई बर्फ की
    B. संगीत और साहित्य की
    C. अदब की परंपराओं की
    D. इनमें सभी (D)

व्याख्या : बिस्मिल्ला खाँ को इन सभी चीजों की कमी खलती थी, जो उनके जीवन के अनुभवों और मूल्यों को दर्शाती हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES